DSSSB PRT, TGT & PGT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

समास

Part -3

LIVE 25-04-2024 09:00 AM

④- द्विगु समास ⇒ जिस समास में पूर्व पद संख्यावाची होता है तथा उत्तर पद प्रधान होता है द्विगु समास कहलाता है।

इसमें समास विग्रह करने पर समूह या समाहार का बोध होता है।

चौराहा = चार राहों का समूह
त्रिभुज = तीन भुजाओं का समूह
नवरत्न = नौ रत्नों का समूह
तिकोना = तीन कोनों का समूह
चवन्नी = चार आनों का समूह
अठन्नी = आठ आनों का समूह
सतसई = सात सौ दोहों का समूह

सप्ताह = सात दिनों का समाहार

सप्तद्वीप = सात द्वीपों का समाहार

दोपहर = दो पहरों का समाहार

त्रिभुवन = तीन भवनों का समाहार

चौमासा = चार मासों का समाहार

नवरात्र = नौ रात्रियों का समूह

अपवाद -

त्रिनेत्र = तीन नेत्रों का समाहार

दशानन = दस आननों का समूह

षडानन = छः आननों का समूह

त्रिदेव = तीन देवों का समूह

चतुरानन = चार आननों का समूह

पंचानन = पाँच आननों का समूह

⑤- द्वन्द्व समास ⇒ जिस समास में दोनों पद प्रधान हो तथा दोनों का स्वतन्त्र अस्तित्व हो एवं एक-दूसरे के विलोम हो वहाँ द्वन्द्व समास होता है।

(योजक चिह्न)
(-)

इनके मध्य और, अथवा, या का प्रयोग होता है।

⇒ द्वन्द्व समास तीन प्रकार के होते है।

(i)- इतरेतर द्वन्द्व समास = इस समास में सभी पद प्रधान होते है तथा प्रत्येक दो पदों के मध्य 'और' का प्रयोग होता है।

मां-बाप = मां और बाप

सीता - राम = सीता और राम

भाई - बहन = भाई और बहन

लव - कुश = लव और कुश

देवासुर = देव और असुर

राधा - कृष्ण = राधा और कृष्ण

अन्न - जल = अन्न और जल

तन - मन - धन = तन और मन और धन

धनुर्बाण = धनुष और बाण

कृष्णार्जुन = कृष्ण और अर्जुन

पच्चीस = बीस और पाँच

अड़सठ = साठ और आठ

(ii)- समाहार द्वन्द्व समास ⇒ इसमें समाहार (समूह) का बोध (बहुवचन) के रूप में होता है। दोनों पद प्रधान होते हैं।

दाल-रोटी = दाल और रोटी

कपड़ा-लत्ता = कपड़ा और लत्ता

चाय-पानी = चाय और पानी

फल-फूल = फल और फूल

धन-दौलत = धन और दौलत

गेँहू-चावल = गेँहू और चावल

(iii)- वैकल्पिक द्वन्द्व समास ⇒ इसमें या / अथवा का प्रयोग होता है और दोनों पद प्रधान होते हैं।

थोड़ा-बहुत = थोड़ा या बहुत

आज-कल = आज या कल

ठण्डा-गर्म = ठण्डा या गर्म

शीतोष्ण = शीत या उष्ण

जीवन-मरण = जीवन या मरण

लाभालाभ = लाभ अथवा अलाभ

ऊंच-नीच = ऊंच या नीच

दो-चार = दो या चार

भला-बुरा = भला या बुरा

⑥- बहुव्रीहि समास ⇒ जिस समास में दोनों पद अप्रधान हो तथा दो पदों के माध्यम से तीसरे अर्थ का बोध हो उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं।

- प्रधानमंत्री = मंत्रियों में प्रधान है (प्रधानमंत्री)
- चतुर्भुज = चार भुजा है जिसकी (विष्णु)
- पंचानन = पांच आनन हैं जिसके (हनुमान)
- चन्द्रशेखर = चन्द्र है शिखर पर जिसके (शिव)
- चन्द्रचूड़ = चन्द्र है चूड़ पर जिसके (शिव)
- लम्बोदर = लम्बा है उदर (पेट) जिसका (गणेश)
- एकदन्त = एक दन्त है जिसका (गणेश)
- गिरिधर = गिरि को धारण करने वाला (श्रीकृष्ण)

मृत्युंजय = मृत्यु को जितने वाला (शिव)

पंकज = पंक (कीचड़) में उत्पन्न होने वाला (कमल)

पीताम्बर = पीले हैं वस्त्र जिसके (कृष्ण)

चक्रपाणि = चक्र है हाथ में जिसके (विष्णु)

विषधर = विष को धारण करने वाला (शिव / सर्प)

नीलकंठ = नीला है कंठ जिसका (शिव)

सपरिवार = परिवार के साथ है जो (सपरिवार)